

प्रेषक,

राधा रतूड़ी

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास

देहरादून, उत्तराखण्ड।

महिला सश0 बाल वि0 एवं सै0क0

देहरादून: दिनांक 17 जनवरी, 2008

विषय: चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में सैनिक कल्याण विभाग से संबंधित अनुदान संख्या-15 के आयोजनागत पक्ष में वाहन क्रय हेतु धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्रांक संख्या:- 2002/सै.क./वाहन/07-08/ दिनांक 18 दिसम्बर, 2007 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा दो वाहन क्रय हेतु वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने की अपेक्षा की गयी है। इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विभागान्तर्गत सरकारी कार्यों हेतु एक टाटा सुमो विक्ट्री सी एक्स बी एस-II रुपये 4,25,519.00 (रुपये चार लाख पच्चीस हजार पांच सौ उन्नीस मात्र) जनपद कार्यालय उत्तरकाशी तथा एक इंडिका डी0एल0वी0-2 रुपये 2,89,891.00 (रुपये दो लाख उन्नीस हजार आठ सौ इकान्ने मात्र) निदेशालय, सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास के लिये वाहन क्रय हेतु कुल रुपये 7,15,410.00 (रुपये सात लाख पन्द्रह हजार चार सौ दस मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
2. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसे मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल अनुसार शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति, यदि आवश्यक हो तो, ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
3. उक्त धनराशि का व्यय मितव्ययता को दृष्टिगत रखते हुये नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जाएगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय नई मदों में कदापि नहीं किया जाएगा। व्यय उन्हीं मदों में किया जाएगा, जिनके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।
4. अप्रयुक्त धनराशि को वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल के अंतर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

5. स्वीकृत की जा रही धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण तथा धनराशि का उपयोगिता प्रमाणपत्र समयाव्तरगत शासन को उपलब्ध करना सुनिश्चित किया जाए।

6. स्वीकृत धनराशि से अधिक धनराशि का व्यय कदापि न किया जाए।

7. स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल में उल्लिखित प्राविधानों एवं मितव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अंतर्गत किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

8. उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय अनुमोदित परिव्यय की सीमा तक ही किया जाए।

9. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-15 के "आयोजनागत पक्ष" के लेखाशीर्षक 2235-सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण-60-अन्य सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम-200-अन्य कार्यक्रम-03-सैनिक कल्याण-01-मुख्यालय-14-कार्यालय प्रयोगार्थ स्टाफ कारों/मोटर गाड़ियों का क्रय के नामे डाला जायेगा।

16 यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या 818 (1)/XXVII(3)/2007, दिनांक जनवरी, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय,  
(राधा रतूड़ी)  
सचिव।

पृष्ठंकन संख्या: 456/XVII(2)/2007-09(25)/2006 तददिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनाय एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. निजी सचिव-मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
2. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. मण्डलायुक्त, गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
5. जिलाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
8. समस्त जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
9. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
10. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,  
(अरुण कुमार ढोंडियाल)  
अपर सचिव।